



खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

झारखंड में 823 केंद्रों पर पहले दिन की जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा संपन्न

तीन संदिग्ध हिरासत में, खूंटी में छात्रों का आरोप- प्रश्न पत्र के खुले थे पैकेट

खबर मन्त्र व्यापे



गोमिया का निवासी है। पुलिस दोनों से पूछात शुरू कर चुकी है।

वहीं रामगढ़ पुलिस ने प्रश्न पत्र लोक करने के शक के आधार पर चंचल स्थिति नामक युवक को हिरासत में लिया। जांच के दौरान पता चला कि चंचल स्थिति भी एक परीक्षार्थी को धनबाद पुलिस ने हिरासत में लिया। उसके संबंध में धनबाद एसएसपी हरप्रीत पी जनादिन ने बताया कि लोहरामगढ़ एसपी से सचिवा भिली थी कि धनबाद में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को कुछ लोग प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

एसएसपी ने बताया कि इनके पास से तीन मोबाइल फोन, तीन एटीएम कार्ड, तीन ब्लॉकें चेक, 21 छात्रों की रोल नंबर, नाम और परीक्षार्थी केंद्र का टिलेल बरामद हुआ है। उन्हें बताया कि हिरासत में लिये गए व्यक्तियों में एक बिहार के जहानाबाद और दुसरा बोकारो के

कर कुछ घटे के बाद ही उसे बोरा गिरफ्तार कर लिया। पुलिस चंचल से भी पूछताछ कर रही है। इधर, खूंटी के उस्तुलाइन कन्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल में छात्रों ने फहली पाली के बाद काफी हंगामा किया। छात्रों का आरोप था कि परीक्षा के दौरान बेवश्चन ऐपर के पैकेट खुले थे। बेवश्चन ऐपर और ओप्पो आर शीट के नंबर भी अलग-अलग थे, लेकिन स्कूल में पदस्थापित मजिस्ट्रेट और पुलिस हिंगसत में चंचल को परीक्षा का प्रवेश पत्र दिलाने ले जाया गया।

बता दें कि चंचल स्थिति परीक्षा केंद्र से भागने की नाकाम कोशिश की। जब पुलिस ने उसे सुबह आठ बजे परीक्षा केंद्र के अंदर भेज तो वह बैठकर अपना एग्जाम दे रहा तैनात थे। कठीं सुरक्षा और जांच था, लेकिन जैसे ही बात अधिकारीयों को संरेह के अंदर भेज गया। अधिकारीयों की एक-एक चीज की जांच को जा रही थी। इनके बाद उन्हें केंद्र के लेकिन पुलिस ने कड़ी मशक्कत की।

एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के नये चीफ जस्टिस

खबर मन्त्र संवाददाता



रांची। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए हैं। सुरीप कोट के चीफ जस्टिस

डीवाई चंद्रचूड़ की

अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था, जिस पर राष्ट्रपति प्रौद्योगिकी मुर्गू ने मुद्र लगा दी है। जस्टिस एमएस राव की नियुक्ति की अधिसूचना भी जारी की गई है।

बता दें कि राष्ट्रपति की नियुक्ति की अधिसूचना भी जारी की गई है।

उन्होंने एक ऑफ नॉन कर सका। दोनों मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह जो गोलीयों का नाम शामिल है।

समय पर टेक ऑफ नॉन कर सका। दोनों मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह जो गोलीयों का नाम शामिल है।

हेलीकॉप्टर में ईंधन खन्त होने के कारण ऐसा हुआ। पांच बजकर 54 मिनट पर सड़क के रास्ते दोनों मंत्री वाराणसी रामगढ़ हुए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ प्रॉब्लम के कारण सड़क मार्ग से जाना डाला।

कैंसर से पीड़ित नववर्षी जया मांझी का निधन

रांची। एक करोड़ के इनामी नववर्षी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही गयी। वह गैल लैटर के कैंसर से पीड़ित थी। उसका इलाज ऑफलैंजी प्रियंका राव के कारण हो गया। जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही गयी। वह प्रयाग के एक और दोनों कुशशाही की यूनिट में रह रही था। रिस्म के पीताओं डॉ राजीव रंजन ने बताया कि पहले उनको सर्जी वाई में भर्ती कराया गया था।

लंगस के पीड़ित एवं अधिक समय

से पदस्थापित पुलिसकर्मी बदल : झारखंड

में वकालत भी की।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए हैं। सुरीप कोट के चीफ जस्टिस

डीवाई चंद्रचूड़ की

अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था, जिस पर राष्ट्रपति प्रौद्योगिकी मुर्गू ने मुद्र लगा दी है।

जस्टिस एमएस राव की नियुक्ति की अधिसूचना भी जारी की गई है।

उन्होंने एक ऑफ नॉन कर सका। दोनों मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह जो गोलीयों का नाम शामिल है।

हेलीकॉप्टर में ईंधन खन्त होने के कारण ऐसा हुआ। पांच बजकर 54 मिनट पर सड़क के रास्ते दोनों मंत्री वाराणसी रामगढ़ हुए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ प्रॉब्लम के कारण सड़क मार्ग से जाना डाला।

कैंसर से पीड़ित नववर्षी जया मांझी का निधन

रांची। एक करोड़ के इनामी नववर्षी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही गयी। वह गैल लैटर के कैंसर से पीड़ित थी। उसका इलाज ऑफलैंजी प्रियंका राव के कारण हो गया। जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही गयी। वह प्रयाग के एक और दोनों कुशशाही की यूनिट में रह रही था। रिस्म के पीताओं डॉ राजीव रंजन ने बताया कि पहले उनको सर्जी वाई में भर्ती कराया गया था। न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने से पहले उन्होंने अंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में वकालत भी की।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए हैं। सुरीप कोट के चीफ जस्टिस

डीवाई चंद्रचूड़ की

अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था, जिस पर राष्ट्रपति प्रौद्योगिकी मुर्गू ने मुद्र लगा दी है।

जस्टिस एमएस राव की नियुक्ति की अधिसूचना भी जारी की गई है।

उन्होंने एक ऑफ नॉन कर सका। दोनों मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह जो गोलीयों का नाम शामिल है।

हेलीकॉप्टर में ईंधन खन्त होने के कारण ऐसा हुआ। पांच बजकर 54 मिनट पर सड़क के रास्ते दोनों मंत्री वाराणसी रामगढ़ हुए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ प्रॉब्लम के कारण सड़क मार्ग से जाना डाला।

कैंसर से पीड़ित नववर्षी जया मांझी का निधन

रांची। एक करोड़ के इनामी नववर्षी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही गयी। वह गैल लैटर के कैंसर से पीड़ित थी। उसका इलाज ऑफलैंजी प्रियंका राव के कारण हो गया। जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही गयी। वह प्रयाग के एक और दोनों कुशशाही की यूनिट में रह रही था। रिस्म के पीताओं डॉ राजीव रंजन ने बताया कि पहले उनको सर्जी वाई में भर्ती कराया गया था। न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने से पहले उन्होंने अंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में वकालत भी की।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए हैं। सुरीप कोट के चीफ जस्टिस

डीवाई चंद्रचूड़ की

अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था, जिस पर राष्ट्रपति प्रौद्योगिकी मुर्गू ने मुद्र लगा दी है।

जस्टिस एमएस राव की नियुक्ति की अधिसूचना भी जारी की गई है।

उन्होंने एक ऑफ नॉन कर सका। दोनों मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह जो गोलीयों का नाम शामिल है।

हेलीकॉप्टर में ईंधन खन्त होने के कारण ऐसा हुआ। पांच बजकर 54 मिनट पर सड़क के रास्ते दोनों मंत्री वाराणसी रामगढ़ हुए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ प्रॉब्लम के कारण सड़क मार्ग से जाना डाला।

कैंसर से पीड़ित नववर्षी जया मांझी का निधन

रांची। एक करोड़ के इनामी नववर्षी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी जया मांझी की इनामी के दौरान रिस्म में भरत ही ग



समय

संवाद

दवा के बिना इलाज की विधि फिजियोथेरेपी

अंकुर वर्मा

फिजियोथेरेपी की उपयोगिता सबसे अधिक आर्थोपैटिक वर्त्तनों में पड़ती है। आर्थोपैटिक के अन्तर्गत हड्डी की सभी बमारियों, अर्थराइटिस, गठिया, स्पांडलाइटिस, लो बैकपेन, स्लिपडिंक, टेनिस एल्बो, पोस्ट सर्जिकल व प्री-सर्जिकल में भी फिजियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

वर्तमान में स्पांडलाइटिस वर्सिप डिस्क, लो बैकपेन की शिकायत अधिक बढ़ रही है। इनमें दर्द अधिक होता है, लेकिन जनता में भी जागरूकता बढ़ रही है। इसलिए लोग पर्सिकल खाने के बजाय फिजियोथेरेपी करना अधिक उचित समझने लगे हैं।



ग्रामीण काल से दवाओं के बिना ही शरीर के रोगों की चिकित्सा का प्रचलन है। राजमहाराजाओं के वहाँ युद्ध के बाद अन्य शिथिलाया, चोटों व शरीर के अन्य रोगों को ठीक करने हेतु वैद्य व अंगों को पुनः कार्य करने वाले थे जो हड्डी बैठने व अंगों को पुनः कार्य करने वाले थे।

रामायण व महाभारत काल में

इस थेरेपी का प्रचलन गांवों की कार्यों में पहले से ही था। जहाँ जोड़ों में दर्द, घृटों, कमर, पौठ, कंधे, जाधों, अंती इत्यादि अंगों में दर्द व बैठने के बाद जरिये उपचार किया जाता था। महाभारत व रामायण काल में भी बड़े-बड़े ऋषि व मूली भी इस चिकित्सा में पारंगत थे। अंजनी पुरु हनुमान व विश्वमित्र भी इस विद्या में पारंगत थे, जो युद्ध में हूए घायलों को अपने स्पर्श मात्र से ठीक करते थे। श्री हनुमान ने शनि को युद्ध में हराने के बाद जियोथेरेपी की थी तथा इसने प्रकार विश्वमित्र ने भी अपने जटिल बीमारियों जैसे स्पांडलाइटिस, अर्थराइटिस, साइटिक पेन, स्लिपडिंक इत्यादि की फिजियोथेरेपिस्ट बाद उन्हें दिया शस्त्रों को जान दिया था। लंका के सुधेण वैद्य व अन्य राक्षस भी फिजियोथेरेपी

आज इस पध्दति की न्यूरोलॉजी में भी इसकी एहमियत कुछ कम नहीं है।

नशे पर कंट्रोल

अब फिजियोथेरेपी के जरिये नशे पर कंट्रोल पाने समस्याओं की चिकित्सा व्यायाम, खानपान नियंत्रण आदि से की जाने लगी है। बच्चों की बीमारियों में भी केले टेक्नोलॉजी विकसित की है। लंजर फिजियोथेरेपी का पूरी थैरेपिटिक प्रणाली के जरिये अमेरिका ने एक सफलता के साथ प्रयोग स्टप सोर्किंग जट 30 मिनट मशीन का किया जा रहा है। एक्स्पॉचर वेस्ट मशीन को मनुष्य के शरीर पर सर्पिं होते ही मज़बूत मिनट में असर होना सुखू हो जाता है।

वैज्ञानिक है और हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों द्वारा बहुत ही सोच समझ कर बनाया गया है। जरा साँचेए

धर्म की समझ की पात्रता विकसित करना जरूरी

स्वामी सत्यानन्दजी परमहंस



भगवान्, कृपा करके यह बताया जाए क्या हमारे हिंदू धर्म में मानिर और मूर्ति पूजा का प्रावधान वर्षों किया गया और इसका रहस्य क्या है? हिंदू धर्म में जो भी कर्मकांड का प्रावधान किया गया है वह वैज्ञानिक है और हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों द्वारा बहुत ही सोच समझ कर बनाया गया है। जरा साँचेए यदि यदि अद्वितीय और उसके अंदर देवता का प्रावधान नहीं होता तो व्यापार को अंदर इंडोरेफैन, कैमिकल को अप कर देता है, जिससे मनुष्य को लगने वाली सिंगरेट की तलब जीरो हो जाती है। चिकित्सा शिक्षा का क्षेत्र रोजगारपक्क होने के साथ-साथ एक संतोष भी प्रदान करता है। जिन युवाओं को चिकित्सा क्षेत्र में कार्य करने की अभिलाषा है, उनके कोई भी अध्यात्मिक पाठशाला से जुर्जे कोई भी अध्यात्मिक विद्यार्थी की अगले सीढ़ी होती है। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है। गू का अंथ होता है अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। कोई भी समझदार आदमी कपी या नहीं कहेगा उसका बच्चा प्राइमरी स्कूल में नामांकन करवाए गए ताकि वह बालों पाठशाला में भी अपनी भावना की अपेक्षा अधिक हो जाए।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा देते हैं। हार्दिक ग्रंथों में बार-बार यह जिक्र किया गया है कि आगे को खोजो यदि तुम्हारी खोज होगी तो वह राह दिखाने वाले महापुरुष जरूर मिल जाएंगे।

इसीलिए हिंदू धर्म में गुरु करने का प्रावधान किया गया है।

कृष्ण जीवन को अपार्वनी भी अंधकार और रू का अंथ होता है उत्तरांध्री पर नहीं ले जाते अपनी पूरी आयु को प्राइमरी स्कूल में ही मिटा

